an>

Title: Need to develop tourist spots in Baghpat constituency of Uttar Pradesh.

डॉ. सत्यपाल सिंह (बागपत) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपका आभारी हूँ। मैं लाटरी देव को प्रणाम करता हूँ क्योंकि बहुत प्रयासों के बाद आज मेरा नम्बर लगा है।

महोदया, हमारे देश के इतिहास में रामायण और महाभारत का विशेष महत्व है। मैं आपके माध्यम से माननीय पर्यटन मंत्री और संस्कृति मंत्री का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र बागपत में स्थित रामायण और महाभारत के उन्नायकों से संबंधित स्थलों की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। बागपत के पास पुरा महोदव का मन्दिर है, जहाँ भगवान परशुराम का आश्रम था। वालिनी में महर्षि वाल्मिकी का आश्रम था, जो लव-कुश की जन्म-स्थली है। महाभारत कालीन वारणावत, जो आज का वरनावा है, वहाँ लाक्षागृह है, जहाँ से पाँचों पाण्डव माता कुन्ती के साथ एक सुरंग से निकलकर बाहर आए थे। आज भी वह सुरंग पाँच हजार वर्षों के बाद भी इंटैक्ट सुरक्षित है, उस सुरंग के अन्दर मैं जाकर आया हूँ। इसी वरनावा के पास चन्दामन गाँव में सिंधु सभ्यता के अवशेष मिले हैं, जहाँ पर खुदाई चालू है। उसके साथ-साथ बागपत के पास बड़ा गांव में एक विश्व प्रसिद्ध जैन तीर्थ स्थान है, जहाँ पर फरवरी, 2015 में एक विश्वस्तरीय सम्मेलन मनाया जा रहा है। मैं भारत सरकार से विनती करता हूँ कि इन स्थलों को भारतीय पुरातत्व विभाग के अन्दर लेकर उनका संवर्धन किया जाए और इनको आकर्षक पर्यटन स्थल घोषित किया जाए।